AMBIKAPUR 08 SEPTEMBER 2024_Layout 2 9/7/2024 11:33 PM Page 1

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -307 रविवार,08 सितम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

कलम बंद कलम बंद कलम बंद कलम बंद कलम बंद कलम बंद कलम बंद कलम बंद

सरगुजा कलेक्टर किसके दबाव में कर रहे हैं काम

नियम विरूद्ध बुलडोजर कार्यवाही करवाने क्यों मजबूर हुये कलेक्टर बिलास भोसकर

अपील के अधिकार से वंचित कर कुछ घंटो में ही क्यों उजाड़ दिया आशियाना

पूछकर बताईये कलेक्टर सरगुजा क्या छापें ?

सरकार ने हक छीना... कलेक्टर ने अपील का अधिकार छीना...

इंकलाब होता रहेगा... इंसाफ तक... कलम बंद का 68 वां दिन

दो अनमोल रतन

एक है संजय,तो दूसरा प्रिंस

इस समय दो अनमोल रतन बने हुए हैं दोनों के ऊपर गंभीर आरोप होने के बावजूद जांच व कार्यवाही में विलंब कुछ ऐसा ही इशारा करता हैं...

कौन सी खबर प्रकाशित करें... छत्तीसगढ़ सरकार

संजय मरकाम,ओएसडी,स्वास्थ्य मंत्री

प्रिंस जायसवाल, प्रभारी डीपीएम,सूरजपुर

आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं प्रशासनिक तंत्र में कितनी कमियां हैं यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें यह आप ही तय करें? अखबार जो आपको कमियां दिखा रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उन कमियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी?

कलमबंद से घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

पूर्व ट्रेनी आईएएस पूजा खेड़कर पर केंद्र सरकार का बड़ा एक्शन तो हो गया

छत्तीसगढ़ सरकार के स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी पर एक्शन कब लेगी?

-भूपेन्द्र सिंह-

अंबिकापुर,07 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)। महाराष्ट्र की पूर्व आईएएस ट्रेनी पूजा खेडकर पर एक्शन लिया गया है। केंद्र सरकार ने पूजा खेडकर को तत्काल प्रभाव से भारतीय प्रशासनिक सेवा से बर्खास्त कर दिया है। पूजा खेडकर पर आईएएस (प्रोबेशन) के तहत कार्रवाई की गई है...इस कार्यवाही के बाद एक बार फिर छत्तीसगढ़ के राज्य प्रशासनिक अधिकारी जो फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र पर नौकरी कर रहे हैं उसे मामले को भी ताजा कर दिया जब इस पर कार्यवाही हो सकती है तो फिर छत्तीसगढ़ में उन राज्य प्रशासनिक अधिकारियों पर कार्यवाही कब होगी जो फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र पर नौकरी कर रहे हैं? जिसकी लड़ाई छत्तीसगढ़ दिव्यांग संघ लड़ रहा है। उन्में से एक तो स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी हैं जिनका नाम संजय मरकाम है इन पर कब कार्यवाही होगी इसे लेकर अभी भी सवाल बना हुआ है? छत्तीसगढ़ में दो नाम इस समय काफी चर्चा में है एक तो स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी जो दिव्यांग प्रमाण-पत्र पर नौकरी कर रहे हैं तो वहीं दूसरा स्वास्थ्य विभाग के ही एनएचएम के संविदा कर्मचारी प्रभारी डीपीएम प्रिंस जयसवाल दोनों इस समय सुर्खियों में है। इनके ऊपर कार्यवाही कब होगी इस पर भी संशय से बरकरार है और होगी भी कि नहीं होगी इस पर भी संशय है पर इन दोनों की खबर प्रकाशित करने वाले अखबार के दफ्तर व प्रतिष्ठान पर कार्यवाही तत्काल हो जाती है यह बड़ा सवाल है, आखिर इन दोनों व्यक्तियों की पकड़ कितनी है कि उनके विरुद्ध खबर प्रकाशित करने वाले अखबार को ही कुचलने का प्रयास किया गया वह भी वर्तमान राज्य सरकार के द्वारा जो हिंदूवादी सरकार कही जाती है।

संजय मरकाम

प्रिंस जायसवाल

ज्ञात होगी पूर्व ट्रेनी पूजा खेडकर के खिलाफ बड़ा एक्शन हुआ है। केंद्र सरकार ने आईएएस परिवीक्षा में नियम, 1954 के नियम 12 के तहत पूजा खेड़कर को तत्काल प्रभाव से भारतीय प्रशासनिक सेवा आईएएस से बर्खास्त कर दिया है। सरकार ने यूपीएससी परीक्षा में ओबीसी और दिव्यांगता कोटे का दुरुपयोग करने के आरोप में पूजा खेडकर के खिलाफ कार्रवाई की है। इससे पहले संघ लोक सेवा आयोग ने 31 जुलाई को उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी थी। आपको बताते चलें कि पूजा खेडकर पर आरक्षण का लाभ पाने के लिए यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2022 के आवेदन में गलत जानकारी प्रस्तुत करने का आरोप लगाया गया है। इस कार्यवाही के बाद छत्तीसगढ़ पर भी कार्यवाही होगी इस बात की उम्मीद जग गई है पर यह कार्यवाही क्या राज सरकार करने की हिम्मत जुटा पाएगा यह भी बड़ा सवाल है क्योंकि इस समय स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी संजय मरकाम सबसे बड़ा चेहरा है क्योंकि वह राजनीतिक पकड़ रखे हुए हैं वहीं दूसरा नाम है एनएचएम के संविदा कर्मचारी प्रिंस जायसवाल का जो प्रभारी डीपीएम है सूरजपुर जिले के इनका डिग्री ही फर्जी होने का आरोप है जांच कछुए की चाल में है और कार्यवाही तो मान कर चले कि केंचुए की चाल में है, ऐसा क्यों है और किस प्रभाव में है यह सवाल रोज पूछा जा रहा है पर इसका जवाब आज तक कार्यवाही करके नहीं दिया गया। जबकि फर्जी डिग्री पर नौकरी करने वाले की शिकायत पर इतनी तत्परता दिखाई गई की खबर प्रकाशित करने वाले अखबार के दफ्तर व प्रतिष्ठा पर बहुत तेजी से सदन निर्दयता पूर्वक बुलडोजर कार्यवाही की गई ऐसा लगा की दफ्तर नहीं आतंकवादी का अड्डा था और वहां पर कई आतंकवादी छुपे हुए थे जिसे तोड़ने के लिए 5:00 बजे भोर में पूरा अमला पहुंच गया पर वही फर्जी लोगों पर कार्यवाही करने के लिए आखिर यह अमला क्यों नहीं पहुंच पाता? सरकार को भी इस ओर सोचना चाहिए और गौर करना चाहिए की कार्यवाही द्वेष पूर्वक नहीं न्याय पूर्वक होनी चाहिए।

AMBIKAPUR 08 SEPTEMBER 2024_Layout 2 9/7/2024 11:33 PM Page 2

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान का...68 वां दिन

?

कलम बंद...का 68 वां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

कलमबंद से घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

C M Y K

AMBIKAPUR 08 SEPTEMBER 2024_Layout 2 9/7/2024 11:33 PM Page 3

- » कसूर तो बस अखबार के संपादक व पत्रकार का इतना ही था कि वर्तमान सरकार की कमियों को दिखा रहा था
- » अखबार के दफ्तर पर तो कार्यवाही हो गई पर फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र व फर्जी डिग्री पर नौकरी करने वाले के विरुद्ध कार्यवाही से क्यों घबरा रही शासन?
- » अखबार तो खबर प्रकाशित कर सरकार को वह कमियां दिख रहा था जिसे दूर करके जनता की हितेषी सरकार बनी...पर क्या वह जनता की हितेषी नहीं बनना चाह रही?
- » अखबार के दफ्तर पर कार्यवाही करने से तो शासन नहीं घबराई पर फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र व फर्जी डिग्री पर नौकरी करने वाले संजय व प्रिंस पर कार्यवाही करने से घबराहट क्यों?
- » जिस अखबार को लोग छोटा अखबार मानते हैं आखिर इस अखबार की खबर से बौखलाहट क्यों होती है?
- » सरगुजा कलेक्टर विलास भोसकर संदीपान ने प्रतिष्ठन व कार्यालय पर बुलडोजर किसके हुक्म पर चलवाया?
- » अखबार के कलम बंद करने से लेकर अखबार के कार्यालय व संपादक के प्रतिष्ठन के टूटने तक की कहानी अपनी जुबानी...

दैनिक घटती-घटना संस्थान पर बुलडोजर चलाकर क्या क्रूरतावादी होने का परिचय दिया सरकार ने?

-भूपेन्द्र सिंह-
अंबिकापुर,07 सितंबर 2024 (घटती-घटना)।

पूरे देश में अपने बुलडोजर कार्यवाही के कई मामले देखे व सुने होंगे लगभग सभी मामले ऐसे प्रकरणों में देखने व सुनने को मिले होंगे जो मामले आतंकवादी या हत्यारे या फिर बलात्कारी व भू माफियों से जुड़े होते हैं,जो काफी क्रूरता पूर्वक किसी अपराध को अंजाम देते हैं इसके प्रति जनता में काफी विरोध होता है और सरकार से न्याय की उम्मीद होती है, ऐसी कार्यवाहियों पर जनता भी सरकार की पीठ थपथपाने का प्रयास करती है, पर इस समय देश के एक छोटे से राज्य छत्तीसगढ़ की एक बुलडोजर कार्यवाही की बात हो रही है जो अपने आप में एक अजीबो-गरीब कार्यवाही कहीं जा सकती है, यह कार्यवाही कहे तो लोकतंत्र के विरुद्ध है कहे तो लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को दबाने के लिए है या कहे तो पावर वाले व्यक्तियों के लिए है जो सच प्रशासन बर्दाश्त नहीं कर सकते? यह कार्यवाही आतंकवादी हत्यारे व बलात्कारियों के विरुद्ध नहीं हुई यह कार्यवाही हुई तो लोकतंत्र के चौथे स्तंभ व संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत ईमानदारी से खबर प्रकाशित करने वाले अखबार के दफ्तर के विरुद्ध हुई, उसके प्रतिष्ठा के विरुद्ध हुई, जिसमें बिना समय दिए वह अपील के अधिकारों से वंचित करके बुलडोजर कार्यवाही उसे तर्ज पर की गई जिस तर्ज पर आतंकवादियों बलात्कारियों व हथियारों के घरों पर की जाती है। यही वजह है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार आने के बाद बुलडोजर की पहली कार्यवाही काफी सुर्खियों में है और कहे तो काफी विवादों में भी है।

बुलडोजर कार्यवाही से सरकार के चेहरे से हिंदूवादी मुखौटा उतर गया

जिस तरह दैनिक घटती-घटना समाचार-पत्र के विरुद्ध द्वेषवश कार्यवाही सरकार ने की वह कार्यवाही कोई हिंदूवादी सरकार की कार्यवाही नहीं कही जा सकती...? क्योंकि कार्यवाही पीठ पर वार जैसी थी वहीं कार्यवाही तब की गई जब समाचार-पत्र के संपादक गमगीन अवस्था में थे यदि कहा जाए सूतक काल में थे। वैसे कार्यवाही के संदर्भ में यह भी देखने को मिला की कार्यवाही के लिए सरकार ने अपनी पूरी ताकत लगा दी,यहां तक कि कैबिनेट की बैठक भी उन्हें करनी पड़ी जो यह साबित करने काफी है की सरकार प्रदेश की हिंदूवादी सरकार जो भ्रष्टाचार के विरुद्ध खुद को एक बेहतर सरकार बतलाती है वह भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए निम्न स्तरीय निर्णय लेने भी मजबूर हुई क्योंकि भ्रष्टाचारी एक तरफ एक मंत्री का भतीजा भी है और वहीं उसी मंत्री का एक ओएसडी भी और दोनों ही की नौकरी भी फर्जी है डिग्री फर्जी है एक की नौकरी फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर लगी है।

ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के दैनिक घटती-घटना अखबार को आखिरकार कलम बंद क्यों करना पड़ा...?

यह सवाल सभी के जेहन में आ रहा होगा,तो हम आपको बताना चाहेंगे कि दैनिक घटती-घटना अखबार सदैव ही लोगों के लिए सच्ची खबर प्रकाशित करने का काम करता है, सरकार किसी की भी हो उन्हें कमियां दिखाने का काम करता रहा है,वर्तमान सरकार में कमियों को दिखाने का काम एक बार फिर दैनिक घटती-घटना ने शुरू किया जिसका परिणाम यह मिला की कार्यालय व प्रतिष्ठान को जमींदोज कर दिया। कलेक्टर सरगुजा को वैसे तो काफी ईमानदार छवि का माना जा रहा था जब वह सरगुजा पहुंचे थे कलेक्टर बनकर लेकिन जैसे ही उनका नाम प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल से जुड़ा वैसे ही उनकी भी छवि अब पाक-साफ नहीं रह गई यह माना जा सकता है। एक फर्जी अहर्ता के आधार पर नौकरी करने के आरोपी के साथ उनकी घनिष्ठता उनकी छवि को नुकसान पहुंचा रही है। प्रभारी डीपीएम प्रिंस की तो आदत में ही छल और भ्रष्टाचार शुमार है वहीं जैसे ही उसकी शिकायत पर कलेक्टर सरगुजा एक अखबार के विरुद्ध सक्रिय हुए उसे नेस्तनाबूत करने के लिए यह तय हो गया की कलेक्टर सरगुजा खुद के विवेक से चलने की बजाए एक ऐसे व्यक्ति के इशारे पर काम कर रहे हैं जो फिलहाल जिस नौकरी में है उसके ही जांच की मांग हो रही है और उसके अहर्ता के भी फर्जी होने की बात कही जा रही है भ्रष्टाचार के आरोप तो जो हैं वह हैं ही।

क्या कसूर मात्र फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र व फर्जी डिग्री पर नौकरी करने वाले की खबर प्रकाशित करना था?

क्या सरकार सच देखना नहीं चाहती या फिर दिख रही कमियों को किसी के दिखाने पर उसे दूर नहीं करना चाहती? किसी अखबार के दफ्तर पर हुई कार्यवाही को लेकर तरह-तरह के सवाल हैं और सवाल हो भी तो क्यों ना हो? क्या वर्तमान सरकार भी फर्जी लोगों को ही संरक्षण देना चाहती है,वास्तविक दिव्यांग सरकार से मिलने वाले लाभ से वंचित हो रहे हैं पर वही फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र पर नौकरी पाकर वास्तविक दिव्यांगों के हक को मारा जा रहा,जिसे लेकर दैनिक घटती-घटना ने खबर प्रकाशित कर रहा था,जिसमें संजय मरकाम जो प्रशासनिक राज्य सेवा के अधिकारी हैं साथी वर्तमान में स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी हैं अब इनके ऊपर आरोप है कि उनकी दिव्यांग प्रमाण-पत्र ही फर्जी है जिसके आधार पर वह डिप्टी कलेक्टर बने हुए हैं वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य मंत्री के भतीजे कहकर घूमने वाले सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल जिनकी डिग्री ही फर्जी है,अब इन दोनों के मामले में खबर प्रकाशित की जा रही थी जिसके विरुद्ध शासन को प्रशासन को संज्ञान लेकर जांच करके कार्यवाही करनी थी पर उनके विरुद्ध कार्यवाही करने में घबराहट हुई,पर वहीं उनकी कमियों को प्रकाशित करने वाले अखबार के दफ्तर व प्रतिष्ठा पर कार्यवाही बुलडोजर के द्वारा कर के अपने पाक साफ सरकार बताने में लगे हुए हैं। दोनों ही स्वास्थ्य मंत्री से जुड़े हुए हैं पर स्वास्थ्य मंत्री इन दोनों के मामले में साफ कह रहे हैं कि प्रभारी डीपीएम मेरा कोई भतीजा नहीं है और जांच के लिए बात कही गई है,वहीं उनके ओएसडी के डिग्री फर्जी है यह बात उन्हें पता नहीं थी पर अब पता है तो भी वह कार्यवाही नहीं कर पा रहे, आखिर यह दोनों व्यक्ति कितने प्रभावशील व्यक्ति हैं की स्वास्थ्य मंत्री भी उनके सामने लाचार हैं? पर वहीं इन सब खबरों को प्रकाशित करने वाला अखबार ही कसूरवार हो गया?

क्या भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए ही सरकार केवल सही व्यवहार रखती है..?

सरकार की नजर में हमारा कसूर खबरों के मध्यम से कमी दिखाना था,क्या सही में यही वजह थी इसलिए प्रतिष्ठान को नेस्तनाबूत करने का निर्णय लिया गया,क्योंकि वह सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करने वहीं सरकार के मंत्रियों के इर्द-गिर्द रहने वाले भ्रष्ट एवं ऐसे अधिकारियों के खिलाफ वह अभियान चला रहा होता है,जिनकी या तो डिग्री फर्जी है या फिर वह फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे हैं,यदि कहा जाए की केवल गलत लोगों साथ ही भ्रष्टाचार के रास्ते नौकरी में आए भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों के लिए ही सरकार केवल सही व्यवहार रखती है..? ईमानदार और भ्रष्टाचार विरुद्ध सोच रखने वाले के खिलाफ ही सरकार क्या षड्यंत्र कर रही है...यह भी एक बड़ा सवाल है।

बुलडोजर कार्यवाही हुई भी तो उसके शिकायत पर...जिसकी खबर छप रही थी...शिकायतकर्ता भी कोरिया से ढूंढ लाए...

दैनिक घटती-घटना अखबार के कार्यालय व प्रतिष्ठा पर कार्यवाही करने के लिए सरगुजा जिला प्रशासन ने कैसे शिकायतकर्ता को ढूंढ कर लाया...वह भी जिसके विरुद्ध लगातार अनियमिताओं खबर छप रही थी...सरगुजा जिले में नहीं मिला...शिकायतकर्ता तो कोरिया से ढूंढ निकाला गया शिकायतकर्ता...ताकि अखबार को आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा सके...और खबर को लेकर दबाव बनाया जा सके। यहां तक कि कलम बंद अभियान को भी बंद किया जा सके।

संविधान विरोधी हुई कार्यवाही पर एक नजर... जिसका न्यायालय में जवाब तो सबको देना होगा

- » प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जो दैनिक घटती-घटना की खबरों की ही देन है उनसे जुड़ी कमियों को अखबार ने जब दिखाना शुरू किया तो उन्हें यह बात रास नहीं आई।
- » स्वास्थ्य मंत्री के विभाग में जो हो रहा था उससे उनकी छवि खराब हो रही थी जिसे बताने का काम दैनिक घटती-घटना ने किया तो यह नहीं पता था कि उन्हें बताना कभी महंगा पड़ेगा।
- » कमियां दूर करने के बजाय दैनिक घटती-घटना को दबाने के लिए उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचाने के लिए जून 2024 में शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाया गया।
- » विज्ञापन रोक लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर दबाब बनाने के फैसले के विरोध में दैनिक घटती-घटना ने 1 जुलाई 2024 से कलम बंद अभियान की शुरुआत की ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हमेशा ही स्वतंत्रता के साथ काम कर सके।
- » दैनिक घटती-घटना अखबार इस अभियान को सिर्फ अपने लिए शुरू नहीं किया लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को बचाने के लिए इस अभियान को शुरू किया...।
- » 3 जुलाई 2024 को टीएल मीटिंग में कलेक्टर साहब ने अपने घनिष्ठ प्रिंस जायसवाल के आवेदन को मंगाया और जांच के लिए आदेशित किया।
- » 5 जुलाई 2024 को नमनाकला आरआई ने जांच प्रतिवेदन जांच करके सौंप दिया।
- » 10 जुलाई 2024 को आबंटन/व्यवस्थापन समिति के द्वारा हमारे आबंटन/व्यवस्थापन प्रकरण को अपात्र घोषित कर दिया गया।
- » 13 जुलाई 2024 को मंत्री जी के प्रतिनिधि मंडल संपादक के कार्यालय पहुंचे बातचीत हुई और चलते बने।
- » 19 जुलाई 2024 को कैबिनेट की बैठक रखी गई और पूर्व सरकार के फ्री होल्ड व 152 प्रतिशत वाली योजना को निरस्त कर दिया गया,जिस कारण पुरे प्रदेश के लोगो को नुकसान हुआ जिसका खामियजा नगरी निकाय चुनाव में वर्तमान सरकार भुगतना पड़ सकता है।
- » अखबार के कार्यालय को और संपादक के प्रतिष्ठान को तोड़ने के लिए 19 जुलाई 2024 को कैबिनेट की बैठक रखी गई।
- » 23 जुलाई 2024 को पूर्व सरकार के 152 परसेंट व फ्री होल्ड योजना को निरस्त कर दिया गया...यह आदेश लोगों की जानकारी में 26 जुलाई 2024 को आया और 26 जुलाई को ही बेदखली का नोटिस 23 जुलाई 2024 की तिथि पर दिया गया।
- » अखबार के संपादक को बेदखली का नोटिस पितृ शोक के दौरान मिला 26 जुलाई 2024 को शाम 6:45 बजे के बाद मिला और 27 जुलाई 2024 का समय दिया गया बेदखली का।
- » पितृ शोक में रहने के बावजूद संपादक ने तत्काल ही 26 जुलाई 2024 को संबंधित अधिकारी को बेदखली में खाली करने के लिए समय मांगा गया पर समय न देकर 28 जुलाई 2024 को सुबह 5:00 बजे प्रशासन कई बुलडोजर व सुरक्षा के साथ पहुंच गया।
- » कार्यवाही की एक दिन पहले 27 जुलाई 2024 को रात 10:30 बजे स्वास्थ्य मंत्री के प्रतिनिधिमंडल जिसमें उनके ओएसडी संजय मरकाम सहित चार अन्य लोग संपादक के घर बैठे रहे और मामले पर बात करते रहे।
- » स्वास्थ्य मंत्री का प्रतिनिधिमंडल 4:00 तक संपादक के घर बैठ रहा और 5:00 बजे कार्रवाही करने पूरा प्रशासनिक अमला पहुंच गया।
- » दैनिक घटती-घटना के कलम बंद अभियान को संज्ञान में लेने के बजाय उस अभियान को बंद करने के लिए 28 जुलाई 2024 अखबार के कार्यालय व संपादक के प्रतिष्ठान पर बुलडोजर की कार्यवाही की गई।
- » दैनिक घटती-घटना के कलमबंद अभियान के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री और संयुक्त संचालनालय जनसंपर्क के उपसंचालक मयंक श्रीवास्तव से शासकीय विज्ञापन बंद करने को लेकर सवाल पूछा कि आखिर क्या छापे जिससे आपको बुरा ना लगे?
- » यह बात भी सरकार को नागवार गुजरी और सरकार ने और बड़ा कदम उठाया ताकि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कुचला जा सके।
- » कलमबंद अभियान के तहत 28 दिनों से प्रदेश के जिम्मेदार व प्रदेश की बेहतरी के लिए जिनके हाथों में कमान है उनसे सवाल किया गया पर वह सवाल को भी बर्दाश्त नहीं कर पाए और 28 में दिन दैनिक घटती घटना के संस्थान पर बुलडोजर चलवा दिया।
- » बुलडोजर चलवाना भले ही लोकतंत्र को कुचलने के लिए आसान लगा हो पर बुलडोजर चलने की आवाज भी पूरे देश में गूंज गई।
- » पूरे देश में छत्तीसगढ़ सरकार की तानाशाही दिख गई,लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास दिख गया, पर नहीं दिख सकी तो सरकार की संवेदनशीलता सरकार ने यह बता दिया कि उनके अंदर संवेदना बिल्कुल नहीं है।
- » जिस समय कार्यवाही की गई वह समय संपादक के घर पर शोक का था पर शोक के समय में सरकार ने कार्यवाही करके हिंदूवादी पार्टी होने के दावे को भी झुठला दिया।
- » अखबार जो कमियों को दिखा रहा था वह कमी वाकई में सरकार की छवि को खराब कर रही थी सरकार अखबार की खबरों पर संज्ञान लेकर अपनी छवि को बेहतर कर सकती थी।
- » उनके मंत्री अपनी छवि को बेहतर कर सकते थे पर अपनी छवि बेहतर करने के बजाय अपनी छवि को और खराब करने का सरकार का प्रयास सरकार के लिए ही गले की फांस बन गई।

C M Y K

AMBIKAPUR 08 SEPTEMBER 2024_Layout 2 9/7/2024 11:33 PM Page 4

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,07 सितम्बर 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय प्रधानमंत्री जी ?

कलमबंद से घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

C M Y K

AMBIKAPUR 08 SEPTEMBER 2024_Layout 2 9/7/2024 11:33 PM Page 5

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है?

अम्बिकापुर,07 सितम्बर 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

अब आप ही पूछकर बताईए कलेक्टर सरगुजा विलास भोसकर साहब...कि क्या छापें?

कलमबंद से घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

C M Y K

AMBIKAPUR 08 SEPTEMBER 2024_Layout 2 9/7/2024 11:33 PM Page 6

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...» कमी दिखाओ तो दिक्कत...

» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर ,07 सितम्बर 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र...

राष्ट्रपति महोदया,आखिर छापें क्या ?

कलम बंद...का 68 वां दिन

कलम बंद...का 68 वां दिन

कलमबंद से घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

C M Y K

AMBIKAPUR 08 SEPTEMBER 2024_Layout 2 9/7/2024 11:33 PM Page 7

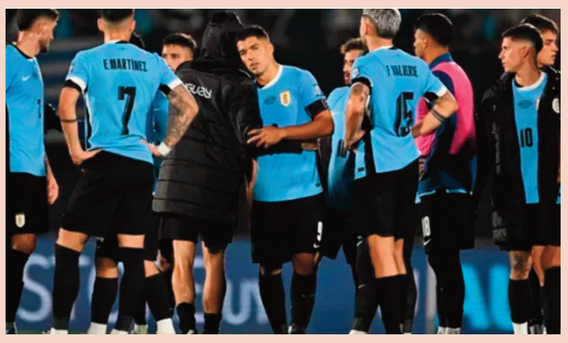

खिलाड़ियों को दांत से काटने वाले फुटबॉलर Luis Suarez की विदाई रही फीकी

आख़िरी मैच में न मिली जीत, न कर सके गोल

नई दिल्ली 07 सितम्बर 2024। उरुग्वे के बेहतरीन फुटबॉलर लुइस सुआरेज अपने आखिरी इंटरनेशनल मैच में कमाल नहीं कर सके। पैराग्वे के खिलाफ खेले गए मैच में वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। साउथ अमेरिका 2026 वर्ल्ड कप क्वालिफाइंग चरण का ये मैच गोल रहित ड्रॉ पर खत्म हुआ। सुआरेज ने मैच से पहले ही सोमवार को बता दिया था कि पैराग्वे के खिलाफ मैच उनका आखिरी इंटरनेशनल मैच होगा। इसी के साथ सुआरेज का 17 साल का लंबा इंटरनेशनल करियर खत्म हो गया। उनकी कोशिश थी कि वह अपने आखिरी मैच को यादगार बनाए और इसमें गोल करते हुए टीम को जीत दिलाएं। हालांकि, वह काफी कोशिश के बाद भी ऐसा नहीं कर सके।

देश के टॉप स्कोरर

सुआरेज ने अपने करियर का अंत इंटरनेशनल स्टेज पर देश के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी के तौर पर किया है। सुआरेज ने 143 इंटरनेशनल मैचों में कुल 69 गोल किए। अब उरुग्वे की टीम को सुआरेज की सेवाएं नहीं मिलेंगी। पैराग्वे के खिलाफ खेले गए मैच में उरुग्वे ने 65 फीसदी गेंद अपने पास रखी, लेकिन उसके खिलाड़ी अपनी विपक्षी टीम के शानदार डिफेंस का तोड़ नहीं निकाल सके।

काटने के लिए मशहूर

सुआरेज बार्सिलोना, लिवरपूल जैसे क्लबों के लिए भी खेल चुके हैं। इस समय वह मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी के लिए खेल रहे हैं। सुआरेज का करियर विवादों से भरा रहा। वह अपने बेहतरीन खेल के अलावा खिलाड़ियों को दांत से काटने के लिए भी जाने जाते थे। मैदान बार उन्होंने अपनी विरोधी टीम के खिलाड़ियों को काटा है जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा है।

इंडिया-सी ने इंडिया-डी को 4 विकेट से हराया

इंडिया-ए के खिलाफ इंडिया-बी को 240 रन की बढ़त,ऋषभ पंत की फिफ्टी

नई दिल्ली 07 सितम्बर 2024। दलीप ट्रॉफी के तीसरे दिन शनिवार को इंडिया-सी ने इंडिया-डी को 4 विकेट से हरा दिया। 233 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया-सी की टीम ने आर्यन जुयाल के 47 और कप्तान ऋतुराज गायकवाड के 46 रन के चलते जीत दर्ज की। इंडिया-डी की तरफ से सारांश जैन ने 4 विकेट लिए।

एक अन्य मुकाबले में इंडिया-बी की टीम ने दूसरी पारी में तीसरे दिन के अंत तक 6 विकेट के नुकसान पर 150 रन बना लिए हैं। इसके साथ ही इंडिया-बी की टीम की कुल बढ़त 240 रन की हो गई है। इंडिया-बी की तरफ से ऋषभ पंत ने 61 रन की पारी खेली। जबकि इंडिया-ए के लिए खलील अहमद और आकाश दीप ने 2-2 विकेट हासिल किए।

ऋषभ पंत ने हाफ सेंचुरी लगाई

पहली पारी में इंडिया-बी ने इंडिया-ए को 231 रन पर ऑलआउट कर दिया था। जिसके आधार पर उन्हें 90 रन की बढ़त मिली। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी इंडिया-बी की शुरुआत खराब रही।

टीम के दोनों ओपनर्स 14 रन के अंदर पवेलियन लौट गए। जबकि पहली पारी के शतकवीर मुशीर खान बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए सरफराज खान और ऋषभ पंत ने इंडिया-बी की पारी को संभाला। सरफराज ने 46 और ऋषभ ने 61 रन बनाए। पंत ने अपनी पारी में 9 चौके और 2 छक्के लगाए।

आर्यन जुयाल और ऋतुराज गायकवाड ने मैच जिताया

इंडिया-सी के कप्तान गायकवाड और साई सुदर्शन ने शानदार शुरुआत दी। ऋतुराज ने 46 वहीं साईं सुदर्शन ने 22 रन की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए आर्यन जुयाल ने रजत पाटीदार के साथ मिलकर शानदार खेल दिखाया। आर्यन ने टीम की तरफ से सबसे ज्यादा 47 और रजत पाटीदार ने 44 रन की पारी खेली। इन दोनों के आउट होने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल (35) ने मानव सुथार (19) के साथ मिलकर इंडिया-सी को मैच जीता दिया। इंडिया-डी की तरफ से स्पिनर सारांश जैन ने 4 विकेट लिए।

इंडिया-ए ने पहले सेशन में 5 विकेट गंवाए

तीसरे दिन 134/2 से आगे खेलने उतरी इंडिया-ए की टीम ने पहले सेशन में अपने 5 बल्लेबाजों के विकेट खोए। इस दौरान दूसरे दिन अर्धशतकीय साझेदारी निभाने वाली रियान पराग (30) और केएल राहुल (37) की जोड़ी भी सेट होने के बाद पवेलियन लौट गई। जबकि शिवम दुबे (20) भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। लंच तक इंडिया-ए का स्कोर 208/7 है, टीम फिलहाल इंडिया-बी की पहली पारी के स्कोर से 113 रन पीछे है। इंडिया-बी की ओर से नवदीप सैनी 3 विकेट और मुकेश कुमार 2 विकेट लिए हैं।

इंडिया-डी दूसरी पारी में 236 रन पर ऑल-आउट

दूसरे दिन कप्तान श्रेयस अय्यर (54) और देवदत्त पड्डिकल (56) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 200 रनों का आंकड़ा पार करने वाले इंडिया-डी की टीम तीसरे दिन के पहले सेशन में 236 रनों पर सिमट गई।

सरफराज ने आकाश दीप को एक ओवर में 5 चौके लगाए

इंडिया-बी की दूसरी पारी के 10 वें ओवर में सरफराज खान ने तेज गेंदबाज आकाश दीप को 5 गेंद पर 5 चौके लगाए। सरफराज ने पहली गेंद डॉट करने के बाद दूसरी गेंद पर कट शॉट, तीसरी गेंद पर कवर ड्राइव, चौथी गेंद पर फ्लिक, पांचवीं गेंद पर स्ट्रैट ड्राइव और आखिरी गेंद पर कट शॉर्ट के साथ 5 बाउंड्री लगाई।

तीसरे दिन की शुरुआत में टीम के अंतिम तीन बल्लेबाज महज 30 रन जोड़कर पवेलियन लौट गए। इस दौरान अक्षर पटेल (28) ने निचले क्रम में एक अच्छी पारी खेली। जबकि दूसरे दिन 5 विकेट लेने वाले मानव सुथार ने तीसरे दिन दो और बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। उन्होंने इस पारी में 49 रन देकर 7 विकेट हासिल किए। अब मुकाबले की चौथी पारी में इंडिया-सी के सामने 233 रन का लक्ष्य है।

हरविंदर के धनुष से निकला सोना, सचिन ने दिलाई चांदी;भारत ने अब तक जीते कुल 22 पदक

नई दिल्ली 07 सितम्बर 2024। टोक्यो पैरालंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले तीरंदाज हरविंदर सिंह ने पेरिस में पदक का रंग बदलते हुए सोने पर निशाना साधा। हरविंदर ने बुधवार को पुरुषों की रिकर्व ओपन स्पर्धा के फाइनल में पोलैंड के लुकास सिजेक को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से पराजित कर पेरिस में भारत की झोली में चौथा स्वर्ण पदक डाला।

पेरिस में तीरंदाजी में भारत का यह दूसरा पदक

33 वर्षीय हरविंदर पैरालंपिक के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय तीरंदाज हैं। पेरिस में तीरंदाजी में भारत का यह दूसरा पदक है। हरविंदर से पहले शीतल देवी और राकेश कुमार ने मिक्स्ड टीम कंपाउड वर्ग में कांस्य पदक जीता था।

सचिन ने 16.32 मीटर का थ्रो फेंककर दूसरा स्थान प्राप्त किया

वहीं, महाराष्ट्र के सचिन सरजेराव खिलाड़ी ने पुरुषों की गोला फेंक (शाटपुट) एफ-46 स्पर्धा में एशियाई रिकार्ड साथ रजत पदक जीता। सचिन ने 16.32 मीटर का थ्रो फेंककर दूसरा स्थान प्राप्त किया। एफ-46 स्पर्धा में वे खिलाड़ी होते हैं जिनकी भुजाओं में कमजोरी या मांसपेशियों की शक्ति क्षीण होती है।

34 वर्ष के सचिन ने दूसरे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका और अपने ही एशियाई रिकार्ड 16.30 मीटर को तोड़ा। सचिन ने मई में जापान में हुई विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

हरविंदर के पदक जीतने के साथ ही यह पैरालंपिक खेलों में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत ने अब तक चार स्वर्ण, आठ रजत और 10 कांस्य पदक जीते हैं। भारत ने टोक्यो पैरालंपिक में चार स्वर्ण सहित 19 पदक जीते थे। मंगलवार देर रात भारत ने एथलेटिक्स में पांच पदक जीते थे और कुल 20 पदक जीतकर कुल पदकों के मामले में टोक्यो के प्रदर्शन को पीछे छोड़ा था।

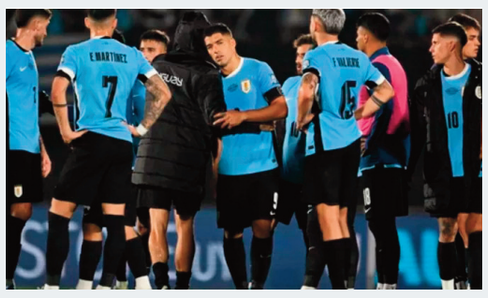

विशेन-बजरंग ने कुश्ती का बेड़ागर्क कर दिया,इनके कारण ओलंपिक में गंवाए छह पदक:संजय सिंह

नई दिल्ली 07 सितम्बर 2024। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के कांग्रेस में शामिल होने पर हैरानी नहीं जताई। संजय सिंह ने शुक्रवार को कहा कि विनेश और बजरंग ने अपनी राजनीतिक महत्वकांक्षाओं के कारण कुश्ती का बेड़ागर्क कर दिया।

ओलंपिक वर्ष में कांग्रेस और इन दोनों पहलवानों ने देशद्रोह किया और इनके कारण ही हमने ओलंपिक में छह पदक गंवाए। देश को कांग्रेस समर्थित उनके प्रदर्शन के कारण भारी कीमत चुकानी पड़ी। विनेश और बजरंग देश के शीर्ष पहलवान थे, लेकिन अब उन्हें कांग्रेस के प्यादे के रूप में देखा जाएगा।सिंह ने कहा कि भले ही विनेश और बजरंग ने शुक्रवार को अपनी राजनीतिक पारी की शुरू की, लेकिन उन्होंने इसकी तैयार लंबे समय से की थी। महिला पहलवानों के लिए उनका आंदोलन प्रेरित था और उसके पीछे कांग्रेस थी। दीपेंद्र हुड्डा ने पूरे विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई। इनके इस प्रदर्शन के कारण कई अच्छे पहलवानों को बलिदान देना पड़ा और हम ओलंपिक में इनकी वजह से छह पदक हारे।

इंग्लैंड पहली पारी में 325 रन पर ऑलआउट

कप्तान ओली पोप ने 154 रन बनाए,श्रीलंका के रत्नायके ने 3 विकेट लिए

लंदन 07 सितम्बर 2024। इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जा रहा है। शनिवार को मैच के दूसरे दिन पहले सेशन में इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 325 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड के लिए ओली पोप ने 154 रन की कप्तानी पारी खेली।

इंग्लैंड ने 35 रन बनाने में आखिरी 6 विकेट गंवाए

इंग्लैंड की टीम दूसरे दिन 221/3 के स्कोर से आगे खेलने उतरी, लेकिन हैरी ब्रूक (19), जेमी स्मिथ (16), क्रिस वोक्स (2) और गस एटकिंसन (5) सस्ते में पवेलियन लौट गए। हालांकि, कप्तान ओली पोप ने अपनी शतकीय पारी को आगे बढ़ाते हुए 150 रनों का आंकड़ा पार किया। उनकी इस पारी की बदौलत इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 325 रन बना सकी।

इंग्लैंड ने एक समय 290 रन के स्कोर पर 4 ही विकेट गंवाए थे, लेकिन टीम ने अगले 35 रन बनाने में आखिरी 6 विकेट गंवा दिए। श्रीलंका के लिए मिलन रत्नायके ने 3 विकेट लिए। विश्वा फर्नांडो, लहिरु कुमारा और कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने 2-2 विकेट हासिल किए। असिथा फर्नांडो को एक सफलता मिली।

ओली पोप की कप्तानी पारी

इंग्लैंड के कप्तान ओली पोप इस सीरीज के शुरुआती दो मैचों में महज 30 रन बना सके थे। इस खराब प्रदर्शन की वजह से पोप पर काफी दबाव था, लेकिन उन्होंने तीसरे मैच में महज 102 गेंद पर अपने करियर की सातवीं सेंचुरी लगा दी। उन्होंने 156 गेंदों पर 19 चौके और 2 छक्के की मदद से 154 रन बनाए।

श्रीलंका ने शुरू की अपनी पारी

पहला सेशन खत्म होने तक श्रीलंका ने भी अपनी पहली पारी शुरू कर दी है। टीम ने एक ओवर के बाद बगैर नुकसान के एक रन बना लिया। पाथुम निसांका 1 और दिमुथ करुणारत्ने खाता खोले बगैर नॉटआउट लौटे। इंग्लैंड से क्रिस वोक्स ने पहला ओवर फेंका।

इंग्लैंड की टीम ने 3 विकेट खोकर 221 रन बना लिए है। कप्तान ओली पोप 103 और हैरी ब्रूक 8 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। पोप और डकेट ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 100 बॉल पर 95 रन की साझेदारी की। डकेट के 86 रन बनाकर आउट होने के बाद जो रुट 13 रन बनाकर आउट हुए।

प्रसाद में मिलाया जहर,खोपड़ी उबाल के पीता था सूप,ये साइको किलर सीरीज हैं खौफनाक

आए दिन आपको टीवी न्यूज चैनल और अखबारों में मर्डर की खबरें देखने और पढ़ने को मिल जाती हैं। लेकिन इनमें कुछ ऐसी घटनाएं होती हैं, जो जिनके बारे में जानकर दिल दहल सा जाता है। इस मामले में कई ऐसे साइको किलर की कहानियां सामने आई हैं, जिन्हें सिनेमा के लिहाज से वेब सीरीज और फिल्मों में उतारा गया है।

आज इस लेख में हम आपको ऐसी ही दिमाग हो हिला देने वाली टॉप सीरियल किलर वेब सीरीज और मूवीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको देखने के लिए आपको जिगर मजबूत रखना पड़ेगा।

बीते साल ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर निर्देशक रीमा कागती और रुचिका ओबरॉय की जोड़ी ने दहाड़ वेब सीरीज को रिलीज किया। इस सीरीज में विजय वर्मा ने उस साइको किलर की भूमिका अदा किया था, जो लड़कियों को प्यार का झांसा देकर उनसे शादी कर मौत के घाट उतारता था। इसकी कहानी दक्षिण कर्नाटक के साइनाइड मोहन खूनी पर आधारित है।

1970 और 80 के दशक में चेन्नई की सड़कें उस वक्त काफी लहूलुहान हो गई थीं, जब एक सनकी ऑटो ड्राइवर गौरी शंकर ने करीब 6 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। इस शख्स पर बनी निर्देशक रंगा याली ने ऑटो शंकर वेब सीरीज को बनाया, जिसे साल 2019 में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर जी5 पर स्ट्रीम किया गया था।

ओटीटी प्लेटफॉर्म- नेटफ्लिक्स

ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर बीते साल दिसंबर में करी एंड साइनाइड डॉक्युमेंट्री को रिलीज किया गया था। ये डॉक्यु-सीरीज केरल के कूडाथाई गांव में एक ही परिवार के 6 लोगों की हत्या की सनसनीखेज कहानी को दर्शाती है। इस मामले में मुख्य आरोपी जॉली जोसेफ थीं, जिन्होंने खाने में साइनाइड मिलाकर इन मर्डर्स को अंजाम दिया था।

स्टार कास्ट- गुरु चनप्पा, संजना प्रकाश,इनाम

सिर्फ पुरुष ही नहीं अजीबो-गरीब साइको किलर की लिस्ट में महिला का नाम भी शामिल है। दरअसल कर्नाटक की केडी केम्पम्मा वो सीरियल किलर थीं, जिन्होंने प्रसाद देकर करीब 6 महिलाओं की जान से मार दिया था। उन बेस्ड साइनाइड मल्लिका नाम की एक साउथ फिल्म को बनाया जा चुका है, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म सिने बाजार पर देख सकते हैं।

Tara Sutaria ने एक्स ब्वॉयफ्रेंड आदर जैन और उनकी मंगेतर आलेखा को मारा ताना

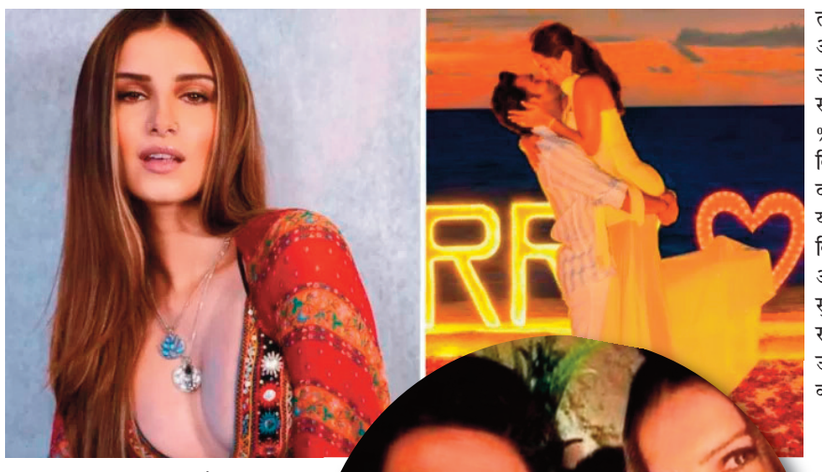

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 और एक विलेन रिटर्न्स जैसी फिल्मों से इंडस्ट्री में अपने कदम जमाने वाली तारा सुतारिया पिछले कुछ समय से चर्चा में हैं। कुछ दिनों पहले कैंदी बैंड एक्टर ने अपनी गर्लफ्रेंड आलेख को शादी के लिए प्रपोज करते हुए रिंग पहनाई थी, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थी। दोनों का बीच पर रोमांटिक अंदाज देखने को मिला।

उनकी इन तस्वीरों पर परिवार वालों ने जहां उन्हें बधाई दी, वहीं तारा सुतारिया का नाम लेकर कुछ लोगों ने उन्हें ट्रोल कर दिया। अब हाल में पांच दिन बाद तारा सुतारिया ने भी इंस्टाग्राम पर एक ऐसा क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जिसे देखने के बाद लोग उसका कनेक्शन आदर और आलेखा से जोड़ रहे हैं।

मैंने सुना है कि आप दोबारा साथ आ गए:तारा सुतारिया

अपनी गर्लफ्रेंड आलेख को शादी के लिए प्रपोज करने के बाद, दो दिन पहले आदर जैन ने फोटोज की एक और सीरीज शेयर की है। पहली तस्वीर में जहां वह एक-दूसरे की आंखों में खोए हुए हैं, वहीं दूसरी फोटो में वह बीच साइड पर हाथ में हाथ डाले घूम रहे हैं। अन्य तस्वीर में ये कपल लिपलॉक करते हुए नजर आया। इन तस्वीरों के बाद अब तारा सुतारिया का भी एक क्रिप्टिक पोस्ट वायरल हो रहा है।

उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर सबरीना कारपेंटर का रिवेंज गाना %टेस्ट% शेयर किया है, जिसके लिरिक्स हैं, ÷मैंने सुना है आप वापस एक साथ आ गए हैं। अगर यह सच है, तो जब वह आपको किस करेगा, तो आपको मेरा टेस्ट आएगा÷। तारा ने इस गाने को सुनने के बाद लोगों को यही लग रहा है कि ये एक्ट्रेस की तरफ से उनकी दोस्त और एक्स ब्वॉयफ्रेंड को एक ताना है।

तीन साल तक तारा सुतारिया और आदर जैन ने किया डेट

आपको बता दें कि आलेखा आदर की ही नहीं, बल्कि तारा सुतारिया की भी अच्छी दोस्त थीं। जब तारा और आदर का ब्रेकअप हुआ था और उन्होंने आलेखा को डेट करना शुरू किया था, उस समय इंटरनेट पर एक तस्वीर बहुत वायरल हुई थी, जिसमें इस एक्स कपल के अलावा आलेखा भी थीं।

तारा सुतारिया और आदर जैन की मुलाकात साल 2019 में हुई थी, जिसके बाद दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। कपूर खानदान के घर के फंक्शन या पार्टी में भी तारा सुतारिया शामिल होती थीं। हालांकि, साल 2023 में दोनों का ब्रेकअप हो गया, जिसे खुद तारा ने एक इंटरव्यू में कन्फर्म किया था।

न्यायालय नजूल अधिकारी,अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क्र0/ /अ-20(3)/2023-24

-:: ईश्तहार ::-

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विद्या सोनकर पत्नी अशोक कुमार सोनकर जाति खटीक निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-2 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 758/15 मे से रकबा 762.2 वर्गफीट (1.74 डिसमिल) भूमि को निजी कार्य हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक प्रमोद कुमार सोनकर आ0 स्व0 फेकूराम सोनकर जाति खटीक निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र,मय दस्तावेज मेंटनेन्स खसरा, नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 30/09/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

C M Y K

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

राजधानी समाचार

अम्बिकापुर, रविवार 08 सितम्बर 2024

छत्तीसगढ़ सरकार बुलडोजर कार्यवाही झेलने के बावजूद...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...

क्या छापें कलेक्टर विलास भोसकर जी?

क्यूं न लिखें सच?

इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया गया जुर्म...स्पष्टीकरण देना पड़ेगा?

क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

कलमबंद से घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है... संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)